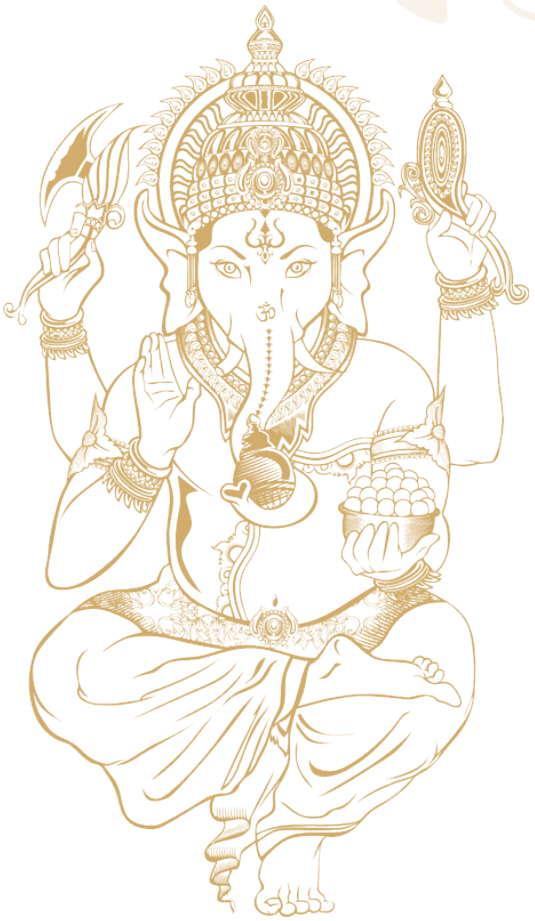

New baby

26 Jan 2026

12:55 AM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121095108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/01/2026**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:55:00 घंटे**
इष्ट	44:27:10 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:37:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:16 घंटे
साम्पातिक काल	08:57:43 घंटे
सूर्योदय	07:08:07 घंटे
सूर्यास्त	17:52:16 घंटे
दिनमान	10:44:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:36:49 मकर
लग्न के अंश	14:44:11 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:44:11	310:55:20	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मक	11:36:49	01:01:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	06:33:03	13:56:28	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	07:39:59	00:46:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	14:26:46	01:43:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:51:49	00:07:22	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	16:10:56	01:15:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:49:41	00:05:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:11:59	00:00:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:11:59	00:00:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:27	00:00:29	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:45:13	00:01:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:16:34	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:44:52	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

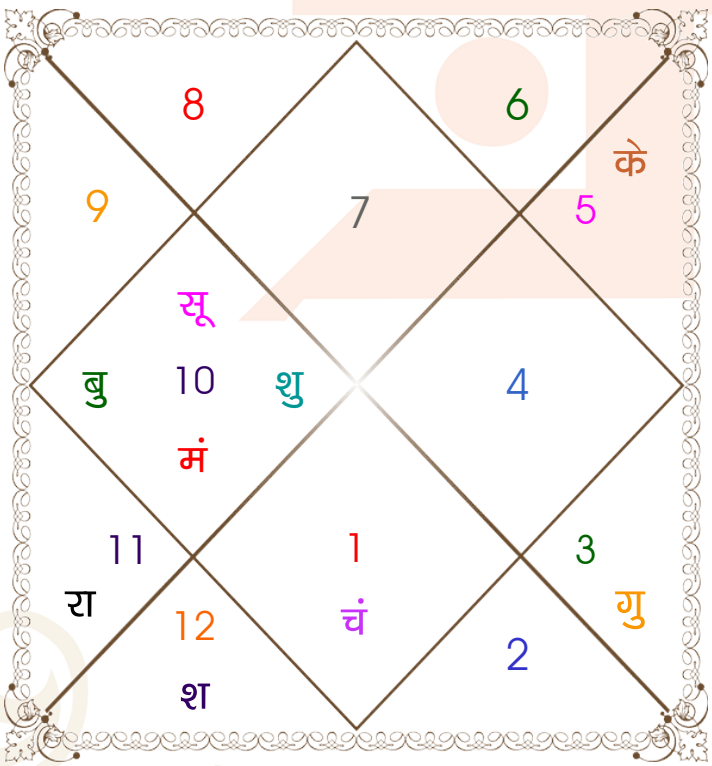

चन्द्र कुंडली

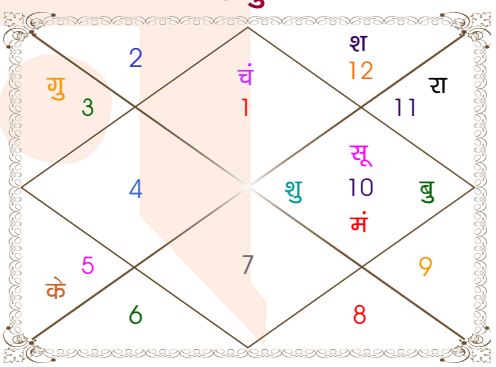

नवमांश कुंडली

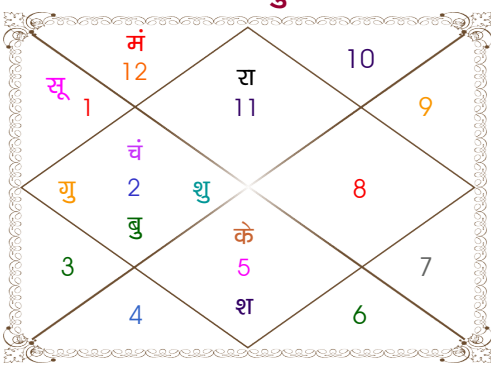

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/01/2026		18/08/2029		18/08/2049		19/08/2055		18/08/2065	
18/08/2029		18/08/2049		19/08/2055		18/08/2065		18/08/2072	
	00/00/0000	शुक्र	18/12/2032	सूर्य	06/12/2049	चंद्र	18/06/2056	मंगल	14/01/2066
	00/00/0000	सूर्य	18/12/2033	चंद्र	06/06/2050	मंगल	17/01/2057	राहु	02/02/2067
	00/00/0000	चंद्र	19/08/2035	मंगल	12/10/2050	राहु	19/07/2058	गुरु	09/01/2068
	00/00/0000	मंगल	18/10/2036	राहु	06/09/2051	गुरु	18/11/2059	शनि	17/02/2069
	26/01/2026	राहु	19/10/2039	गुरु	24/06/2052	शनि	18/06/2061	बुध	14/02/2070
राहु	06/08/2026	गुरु	19/06/2042	शनि	06/06/2053	बुध	18/11/2062	केतु	13/07/2070
गुरु	13/07/2027	शनि	18/08/2045	बुध	13/04/2054	केतु	19/06/2063	शुक्र	12/09/2071
शनि	21/08/2028	बुध	18/06/2048	केतु	18/08/2054	शुक्र	17/02/2065	सूर्य	18/01/2072
बुध	18/08/2029	केतु	18/08/2049	शुक्र	19/08/2055	सूर्य	18/08/2065	चंद्र	18/08/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/08/2072		18/08/2090		19/08/2106		19/08/2125		19/08/2142	
18/08/2090		19/08/2106		19/08/2125		19/08/2142		00/00/0000	
राहु	01/05/2075	गुरु	06/10/2092	शनि	22/08/2109	बुध	16/01/2128	केतु	16/01/2143
गुरु	24/09/2077	शनि	19/04/2095	बुध	01/05/2112	केतु	12/01/2129	शुक्र	17/03/2144
शनि	31/07/2080	बुध	25/07/2097	केतु	10/06/2113	शुक्र	13/11/2131	सूर्य	22/07/2144
बुध	17/02/2083	केतु	01/07/2098	शुक्र	10/08/2116	सूर्य	18/09/2132	चंद्र	21/02/2145
केतु	07/03/2084	शुक्र	02/03/2101	सूर्य	23/07/2117	चंद्र	18/02/2134	मंगल	20/07/2145
शुक्र	07/03/2087	सूर्य	19/12/2101	चंद्र	21/02/2119	मंगल	15/02/2135	राहु	27/01/2146
सूर्य	30/01/2088	चंद्र	20/04/2103	मंगल	01/04/2120	राहु	03/09/2137		00/00/0000
चंद्र	31/07/2089	मंगल	26/03/2104	राहु	06/02/2123	गुरु	10/12/2139		00/00/0000
मंगल	18/08/2090	राहु	19/08/2106	गुरु	19/08/2125	शनि	19/08/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।